**fnukd 17 flrEcj] 2016 dk foukck Hkko fo'ofo|ky;] gtkjhckx ds LFkkiuk fnol ds volj ij ekuuh;k jkT;iky&lg&dqykf/kifr egkn;k dk vfHkHkk"k.k**

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के Silver Jubilee Foundation Day के अवसर पर आयोजित इस समारोह में सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय से जुड़े सभी सदस्यों को इसके गौरवमयी यात्रा के 25वें वर्ष में प्रवेश करने के लिए शुभकामनायें एवं बधाई देती हूँ।

किसी भी विश्वविद्यालय एवं संस्थान का स्थापना दिवस उत्साह एवं उमंग का अवसर होता है। साथ ही यह दिवस आत्म–अवलोकन एवं आत्म–चिंतन का भी होता है कि हम स्थापना के उद्देश्यों को मूर्त्त रूप प्रदान करने की दिशा में कहाँ तक सफल हो पाये हैं? यदि किन्हीं क्षेत्रों में सफलता अर्जित नहीं कर पाये हैं, तो उनकी क्या–क्या वजहें हैं? इन सब बिन्दुओं पर विचार करते हुए प्रगति की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ें। सम्पूर्ण शिक्षा जगत के लिए यह अत्यंत आवश्यक है।

भू–दान यज्ञ के प्रणेता संत विनोबा भावे के नाम पर वर्ष 1992 में स्थापित यह विश्वविद्यालय भौगोलिक दृष्टिकोण से राज्य का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इस परिप्रेक्ष्य में इस विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को हर

हाल में Quality Education सुलभ कराने की दिशा में प्रतिबद्ध रहे। इससे न केवल अन्य विश्वविद्यालयों के लिए यह Role Model के रूप में जाना जायेगा, बल्कि अधिक–से–अधिक युवा भी उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित होंगे। हर्ष का विषय है कि Choice Based Credit System Syllabus को Graduation एवं P.G. स्तर पर लागू करने में यह राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय बना। इसके लिए मैं सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देती हूँ। साथ ही कहना चाहूँगी कि विद्यार्थियों को इस मापदंड के आधार पर शिक्षा सुलभ कराने हेतु निरंतर कटिबद्ध रहे।

आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में उच्च शिक्षा की भूमिका में परिवर्तन आया है। यह न केवल व्यक्तिगत दृष्टिकोण से अहम हो गया है, बल्कि समाज एवं राष्ट्रहित में भी महत्वपूर्ण है। Globalization के इस युग में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इसमें सभी को Excellence प्राप्त करने की ओर सदैव तत्पर रहना होगा। Educational Institutions से इस दिशा में पूर्ण अपेक्षा है। इस हेतु सभी को एक मिशन के रूप में कार्य करना होगा। वे चिंतन करें कि किस प्रकार विद्यार्थियों को बेहतर–से–बेहतर शिक्षा प्रदान कर एक शिक्षित नागरिक बनाया जा सके ताकि राष्ट्र निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान दे सकें।

उच्च शिक्षा के विकास के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षण संस्थानों में Infrastructure उपलब्ध हों। साथ ही Classes regular हों, Laboratory में आवश्यक उपकरण

मौजूद हों एवं Library विकसित हो। छात्र–छात्राओं को scholarship समय पर सुलभ हो तथा Hostel की दशा अच्छी हो। कहने का स्पष्ट अभिप्राय है कि सर्वत्र ज्ञान का वातावरण निर्मित हों। हमारे शिक्षक विद्यार्थियों को उसी प्रकार शिक्षा सुलभ कराने हेतु कोशिश करें, जैसा कि वे स्वयं के पुत्र/पुत्री के लिए सोचते हैं। गुरू–शिष्य का संबंध अधिक प्रगाढ़ हो, ताकि नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया जा सके। इसके अतिरिक्त Research के क्षेत्र में भी विकास के लिए व्यापक पहल की आवश्यकता है, इस क्षेत्र में Cut और Paste की परिपाटी न रहें, विद्यार्थियों में Innovative ideas विकसित हों, इसके लिए हमारे Academician Research fellows को encourage करें ताकि शोध में नये–नये आयाम विकसित हों। ये सभी बिन्दु राष्ट्र की प्रगति की दिशा में अपरिहार्य है।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा Tribal & Regional Languages Courses और Post Graduate Level पर Department of Performing Arts आरम्भ करने की दिशा में पहल करने हेतु सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देती हूँ। इसी प्रकार Team Spirit से कार्य करने पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के रूप में पहचान स्थापित की जा सकती है। इस विश्वविद्यालय ने विगत 24 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ अर्जित की है, जिसके लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र बधाई के पात्र हैं। इस दिशा में और भी समर्पित भाव से कार्य

करने की आवश्यकता है, ताकि यह राज्य ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक अनुकरणीय विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाय।

एक बार पुनः मैं आप सभी को विश्वविद्यालय की Silver Jubilee Foundation Day की हार्दिक बधाई देती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!